(ग) घायलों के इलाज के लिये की गई व्यवस्था का ब्यौरा क्या है ?

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राधाकिशन मालवीय) : (क) से (ग) सेंट्रल कोल फील्डस लिमिटेड की सियाल डी कोलियरी की खान संख्या 3 में 21-6-89 को एक दुर्घटना हुई जिसमें ब्लास्टिंग के दौरान तीन कर्मकार घायल हो गये। यह पता चला है कि शाट फायरिंग से पहले कर्मकारों को सुरक्षित दूरी पर नहीं ले जाया गया था। इस दुर्घटना के लिये खनन सरदार तथा शाटफायरर को उत्तरदायी ठहराया गया। घायल कर्मकारों को बरकाकना अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी तत्काल चिकित्सा की गई। बाद में, उनका इलाज गांधीन गर अस्पताल में किया गया। एक कर्मकार का इलाज रांची मैडिकल कालेज तथा अस्पताल में भी किया गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की पुरानी मशीनों का आधुनिकीकरण

1182. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या छठी और सातवीं योजना अवधि में सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की पुरानी मशीनों को बदलने और इनका आधुनिकीकरण करने पर अरबों रुपया खर्च किया गया है, यदि हां, तो इसका क्या ब्यौरा है ;

(ख) क्या सरकारी क्षेत्र के दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर इस्पात संयंत्रों द्वारा आधुनिकरण पर क्रमश: 2668, 2460 और 3000 करोड़ रुपया खर्च किये जाने के बाद इनमें केवल क्रमश: 0.8, 0.7 और 1.0 मिलियन टन इस्पात का उत्पादन हो रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों में किये गये निवेश के अनुपात में इस्पात का उत्पादन न होने के क्या कारण हैं ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री माखन लाल फोतेदार) : (क) छठी तथा सातवीं पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों के परिवर्धन, रूपांतरण और प्रति-स्थापन (ए०एम० आर०) तथा आधुनिकीकरण योजनाओं पर व्यय निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपये में)

संयंत्र का नाम	छठी पंचवर्षीय योजना		सातवीं पंचवर्षीय* योजना	
	ए०एम०आर० योजनायें	आधुनिकीकरण	ए०एम० आर० योजनायें	आधुनिकीकरण
-भोकारो इस्पात संयंत्र	35.88	—	144.82	7.34
-भिलाई इस्पात संयंत्र	66.93	—	198.37	—
-राउरकेला इस्पात संयंत्र	104.16	0.51	196.42	114.12
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	82.86	4.61	251.66	432.30
-मिश्र इस्पात संयंत्र	12.54	—	17.31	—
-सेलम इस्पात संयंत्र	0.39	—	2.70	—
-इंडियन आयरन एंड स्टील कम्पनी लि०	56.58	—	119.22	106.11
	359.34	5.12	930.5	659.87

*1988-89 तक के वास्तविक खर्चे सहित अद्यतन अनुमानों तथा वर्ष 1989-90 के बजट अनुमानों के अनुसार।

(ख) जी, नहीं। वर्ष 1988-89 के दौरान दुर्गापुर, राउरकेला तथा बर्नपुर इस्पात संयंत्र ने अपने आधुनिकीकरण के लिये निर्दिष्ट पूंजी-निवेश के बिना क्रमश: 9.5, 11.9 तथा 4.6 लाख टन अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन किया।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Supply of cloth to non-members stores by NCCF

1183. SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that cloth worth Rs. 173.37 lakh as on the 30th June, 1986 have been supplied to non-members by some officers of NCCF, in breach of credit policy;

(b) if so, what are the particulars of such non-members stores indicating against each the value of cloth supplied on credit basis; and

(c) the names of the NCCF officials/ non-officials responsible for extending such unauthorised credit to non-members stores and what disciplinary action has been taken against each of them?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) The NCCF have reported that an amount of Rs. 173.37 lakhs were the outstanding dues recoverable from the non-members as on 30th June, 1986 which pertained to various commodities including cloth. This amount had been brought down to Rs. 64.44 lakhs as on 31st March, 1989. The names of the non-members indicating credit given and the dues recoverable from them as 31-3-89 is given in the enclosed statement. (*See* below)

(c) NCCF have reported that the supply to non-members was made in the normal course of business. The Board of Directors of NCCF was superseded by the Central Registrar of Coop. Societies vide his order dated 15-10-87 and one of the charges against the Board was non realisation of dues from non-members to whom such supplies were made on credit. Since business was being done, before the supersession, on credit basis to non-members the question of taking disciplinary action does not arise.

Statement

(Rs. in lakhs)

Sl. No.	Name of the party	Outstanding as on	
		30-6-86	31-3-89
1	2	3	4
1	Punjab State Civil Supplies Corpn.	3.14	3.23
2	Tamil Nadu State Civil Supplies Corpn.	65.70	..
3	Karnataka State Civil Supplies Corpn.	5.97	5.87
4	Food Corporation of India, Delhi	10.09	10.09